* G A N - 0 5 2 0 2 8 *

GAN-052028 Seat No._____

M. A. (Sem. II) Examination

March / April - 2019

MAOOC-205 : Hindi

(Yug Aadharit Hindi Gadhya)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : प्रत्येक प्रश्न के (अ) विभाग के उत्तर ५०० से ६०० शब्दों में तथा (ब) विभाग के उत्तर १०० शब्दों में दीजिए ।

१ (अ) हिन्दी के प्रगतिवादी रचनाकार यशपाल का परिचय दीजिए । १०

अथवा

(अ) हिन्दी में प्रगतिवादी कथा साहित्य के विभिन्न चरणों की चर्चा कीजिए । १०

(ब) 'बलचनमा' का परिचय । ४

अथवा

(ब) प्रगतिवादी कथा साहित्य की विशेषताएँ । ४

२ (अ) रांगेय राघव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिए । १०

अथवा

(अ) प्रगतिवादी कथा साहित्य में भैरवप्रसाद गुप्त के योगदान की चर्चा कीजिए । १०

(ब) प्रगतिवादी कथा साहित्य और संक्षेप राघव । ४

अथवा

(ब) प्रगतिवादी कथा साहित्य और भैरवप्रसाद गुप्त । ४

३ (अ) 'मुर्दो का टीला' उपन्यास में इतिहास और औपन्यासिक कला का मणिकांचन संयोग हुआ है – समझाइये । १०

अथवा

(अ) 'मुर्दो का टीला' उपन्यास में प्रगतिवादी विचारों की समीक्षा कीजिए । १०

(ब) 'मुर्दो का टीला' उपन्यास का मुख्य उद्देश्य । ४

अथवा

(ब) 'मुर्दो का टीला' का मणिबंध । ४

४ (अ) औपन्यासिक कला के तत्त्वों के आधार पर 'सती मैया का चौरा' उपन्यास की समीक्षा कीजिए । १०

अथवा

(अ) मन्ने के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १०

(ब) महशर का चरित्र । ४

अथवा

(ब) 'सती मैया का चौरा' उपन्यास में आँचलिकता । ४

५ सूचनानुसार कीजिए :

(क) निम्नलिखित कथन सही (✓) है या गलत (×) बताइए : ७

(१) भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ का प्रथम अधिवेशन सन् – १९३६ में मिला था ।

(२) 'मुर्दो का टीला' उपन्यास में दहेज–प्रथा की समस्या है ।

(३) भाई की हत्या का पाप मणिबंध पर है ।

(४) बिल्लिभित्तूर व्यक्ति – स्वातंत्र्य का उपासक है ।

(५) 'गंगा मैया' भैरवप्रसाद गुप्त का कहानी – संग्रह है ।

(६) 'सती मैया का चौरा' उपन्यास में साम्प्रदायिक संघर्ष है ।

(७) 'सती मैया का चौरा' उपन्यास का प्रकाशन सन् – १९५९ में हुआ था ।

(ख) सही विकल्प चुनकर रिक्त–स्थानों की पूर्ति कीजिए : ७

(१) ..... यशपालजी का उपन्यास है ।
(झुठा–सच, गबन, गंगा मैया, चन्द्रकान्ता)

(२) ..... प्रगतिवादी उपन्यासकार है ।
(जैनेन्द्र, प्रेमचन्द, धर्मवीर भारती, नागार्जुन)

(३) 'मुर्दो का टीला' ..... उपन्यास है ।
(मनोवैज्ञानिक, ऐतिहासिक, आँचलिक, सामाजिक)

(४) मोहन–जो–दड़ों ..... भाषा का शब्द है ।
(सिंधी, तमिल, फारसी, अरबी)

(५) मुन्नी मन्ने का ..... है ।
(भाई, चाचा, मित्र, शत्रु)

(६) भैरवप्रसाद गुप्त का जन्म सन् ..... में हुआ ।
(१९१२, १९१५, १९१८, १९२०)

(७) कोलेज की डिबेट के प्रसंग का वर्णन ..... उपन्यास में हुआ है ।
(झुठा–सच, कब तक पुकारूँ, सती मैया का चौरा, मुर्दो का टीला)